आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :335 पृष्ठ -4 दिनांक 08 दिसम्बर 2024 दिन रविवार

वाराणसी में बोले CM योगी- हमारा देश सुरक्षित तो हमारा धर्म सुरक्षित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को स्वर्वेद मंदिर के विहंगम योग के शताब्दी वर्ष समारोह में पहुंचे

उत्तरप्रदेश सीएम योगी दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन सीएम स्वर्वेद मंदिर के शताब्दी वर्ष समारोह में पहुंचे और कहा कि हमारा देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है और हमारा धर्म सुरक्षित है तो हम सुरक्षित हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को स्वर्वेद मंदिर के विहंगम योग के शताब्दी वर्ष समारोह में पहुंचे। इस दौरान जब मुख्यमंत्री ने मंच संभाला तो धर्म और सनातन पर जो वक्तव्य दिया वो सबके मन को छू गया। सीएम ने मंच से कहा कि बाबा विश्वनाथ की पावन धरा पर आयोजित इस कार्यक्रम के मौके पर सभी का अभिनंदन करता हूं। विहंगम योग संत–समाज दिव्य और भव्य मंदिर बनाकर कोटि–कोटि श्रद्धालुजन को भारत की योग–परंपरा और आध्यात्मिक धारा के साथ जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस पुण्य अवसर पर सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज की स्मृतियों को नमन एवं जन–जागरण के इस वृहद अभियान हेतु विहंगम योग संत–समाज तथा इससे जुड़े सभी श्रद्धालुओं एवं भक्तजन का हार्दिक अभिनंदन।पीएम ने स्वयं इसकी साधना की थी। एक संत सच्चा योगी देश और समाज की परिस्थितियों से हाथ पर हाथ रखकर चुप नहीं बैठ सकता। अपनी आध्यात्मिक साधना से देश को आजादी दिलाने वाले आंदोलन से सदादेव फल जी महाराज भी जुड़े। सीएम बोले पीएम कहते हैं हर काम देश के नाम। हमारा देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है और हमारा धर्म सुरक्षित है हम सुरक्षित हैं। जो भी कार्य हो मत और मजहब से

उपर उठकर।पीएम का संसदीय क्षेत्र होने के नाते दस वर्षों में पीएम ने काशी को चमका दिया। दुनिया का सबसे बड़ा स्नान घाट नमो घाट, जहां हेलीपैड भी है, वो घाट काशी में है। काशी में देव मंदिर जितने भी हैं उनका कायाकल्प हुआ है। काशी में सड़क, रेल या वायुसेवा की कनेक्टिविटी हो, 2014 के पहले जो थी उससे सौ गुना ज्यादा बेहतर हुई है। एक और कनेक्टिविटी के तहत काशी से हल्दिया के बीच जलमार्ग का उपयोग कर लोग यात्रा को आगे बढ़ा सकते हैं। स्वास्थ्य हो या शिक्षा अथवा विकास हर क्षेत्र में काशी चमक रही है। यूपी भी पीएम मोदी के मार्ग दर्शन में आगे बढ़ रहा है। यहां विकास भी है तो विरासत का सम्मान भी है। योग को देश के अंदर वैश्विक मंच पर ले जाने का श्रेय पीएम को जाता है। इस बार प्रयागराज में महाकुंभ का भव्य आयोजन हो रहा है। यह वर्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण है। 22 जनवरी 2024 को रामलला अयोध्या में विराजमान हुए ।पीएम ने जिस भव्य स्वर्वेद मंदिर का उद्घाटन एक वर्ष पहले किया था उसके शताब्दी समारोह के साथ जुड़ने का अवसर मुझे प्राप्त हो रहा है। लाखों की संख्या में लोग आए हैं, सबकुछ अपने आप चल रहा है। विज्ञान की पद्धति पर पंडाल लगाए गए। हमारा आध्यात्म लकीर का फकीर नहीं तकनीक और विज्ञान को अपनाकर काम कर रहे हैं। यही भारतीयता है यही सनातन है। यहा सद्गुरू सदाफलदेव जी महाराज की स्मृतियों को नमन करता हूं। ट्रस्ट से जुड़े सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूं। यह दृश्य पच्चीस हजार यज्ञ का विहंगम दृश्य प्रस्तुत कर रहा है।

यूपी में बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के प्रस्ताव के खिलाफ चल रहे विरोध के बीच आज 7 दिसंबर से विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने एक साथ पूरे प्रदेश में विरोध का ऐलान किया है. शुक्रवार को हुई बैठक में पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमन को निजी हाथों में दिए जाने के प्रस्ताव का विरोध किया गया. इसके बाद अभियंताओं की केंदीय कमेटी ने 7 दिसंबर को विरोध की घोषणा की और इसके तहत आज शनिवार को विरोध प्रदर्शन होगा.उत्तर प्रदेश के सभी निगम मुख्यालयों, उपकेंद्रों, उत्पादन इकाइयों पर विरोध सभाएं होंगी. इन सभाओं में पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्कॉम के 27 लाख बिजली कर्मचारी अपना विरोध दर्ज कराएंगे. यह सभी भोजन अवकाश के समय विरोध सभाएं करेंगे.यूपी में लगा 6 महीने के लिए भैड।इस विरोध के ऐलान के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने अधीन विभागों, निगमों और प्राधिकरण में 6 महीने के लिए हड़ताल पर पाबंदी लगा दी है. इस संबंध में प्रमुख सचिव कार्मिक एम देवराज की ओर से शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है.इस अधिसूचना के बाद ऐसा माना जा रहा है कि बिजली विभाग के कार्मिकों की संभावित हड़ताल को देखते हुए भैड। लगाया गया है. हड़ताल को लेकर पा. बंदी के संबंध में जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश अत्यावश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम, 1996 के तहत अगले 6 महीने तक हड़ताल निषिद्ध रहेगी.विरोध को लेकर पावर कारपोरेशन प्रबंधन सख्तआज से शुरू होने वाले विरोध को लेकर पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने भी सख्त रुख अपनाया है . इसको लेकर पॉवर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में विरोध प्रदर्शन को लेकर मोबाइल गैंग तैयार करने और वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए गए हैं और चेतावनी भी दी गई है कि बिजली व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.इसके तहत सूबे के सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं जहां से कर्मचारी संगठनों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है. आशीष गोयल ने कहा है कि कर्मचारी विद्युत व्यवस्था बाधित किए बगैर शांतिपूर्ण तरीके से सांकेतिक विरोध कर सकते हैं. अगर कहीं विद्युत व्यवस्था में बाधा पहुंचाने, किसी को काम से रो. कने अथवा तोड़फोड़ करने की कोशिश की गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.बता दें कि पावर कारपोरेशन ने आउटसोर्सिंग एजेंसियों को भी चेतावनी दी है कि वह अपने कर्मचारियों को आंदोलन से अलग रखें वरना उनकी सेवाएं समाप्त की जाएगी साथ ही विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को अवकाश नहीं देने तथा जो अवकाश पर है उन्हें बुलाने का आदेश भी दिया गया है.

यूपी में चलती ट्रेन में हत्या, सीट को लेकर हुआ . था विवाद, धारदार हथियार से बोला हमला

उत्तर प्रदेश के वाराणसी से बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां ट्रेन में सीट शेयरिंग को लेकर हुए विवाद में चार आरोपियों ने एक 23 साल के लड़के तौहीद की धारदार हथियार से हत्या कर दी. तौहीद को बेहद गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया. इस हमले में उसके दो भाईओं को भी गंभीर चोटें आईं हैं. पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. खबर के मुता. बिक तौहीद अमेठी का रहने वाला था और अंबाला में मजदूरी करता था, गुरुवार को वो अंबाला से अपने घर लौट रहा था, उसने लखनऊ से बेगमपुरा एक्सप्रेस ली थी. चारों आरोपी भी अंबाला में ही मजदूरी का काम करते थे और सुल्तानपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं. पुलिस के मुताबिक आरोपियों की सीट शेयरिंग को लेकर तौहीद से बहस हो गई, जिसके बाद विवाद इतनी बढ़ गया कि चारों ने उसकी बुरी तरह पिटाई की और धारदार हथियार से हमला बोल दिया. हमले में घायल तौहीद ने अपने भाईयों को फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी जो साथियों के साथ निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंच गए. इसके बाद आरोपियों ने तौहीद के दो भाईयों पर भी हमला किया, जिसमें 20 साल का तालिब और 34 साल का तौसीफ भी घायल हो गया है. तालिब को गंभीर चोटें आईं हैं उसे लखनऊ रेफर किया गया है. चारों आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों पवन कुमार, सुजीत कुमार, दीपक और मिथुन को गिरफ्तार किया है, ये चारों भी अंबाला में मजदूरी करते हैं. मृतक तौहीद के भाई ने बताया कि हम जब निहालगढ़ पहुंचे तो मैंने देखा कि मेरे भाई के पीठ में चाकू से दो बार वार किया गया था, इससे पहले कि मैं कुछ करता आरोपियों ने पीछे से मुझपर भी रॉड से हमला किया और मारपीट करते हुए ट्रेन से उतरकर भाग गए. घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पहुंची, जिसके बाद तौहीद और उसके दोनों भाई तालिब और तौहीद को अस्पताल में भर्ती कराया. जहां तौहीद ने दम तोड़ दिया. जीआरपी पुलिस ने सुल्तानपुर रेलवे स्टेशन पर चारों आरोपियों को घेरकर गिरफ्तार कर लिया. उनसे पूछ. ताछ की जा रही है. पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुट गई है.

लखनऊ में गैस गोदाम के अंदर तेज धमाका, सिलेंडर फटने से आधा दर्जन लोग घायल

यूपी की राजधानी लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र स्थित एक अवैध गैस गोदाम में शुक्रवार की देर शाम जबरदस्त ब्लास्ट हुआ. इस ब्लास्ट के कारण करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. ब्लास्ट की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की गाड़ियां ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया. पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां भी मौके पर तैनात कर दी गई हैं. घटनास्थल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.स्थानीय लोग और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि उसकी आवाज दूर–दूर तक सुनाई दी. ब्लास्ट के कारण आसपास के क्षेत्र में काफी खलबली मच गई और लोग दहशत में आ गए. धमाके के कारण कई लोग घायल हो गए और उन्हें तत्काल नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में भेजा गया. सभी घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.गैस कटिंग के दौरान हुआ ब्लास्ट जानकारी के अनुसार, अवैध गोदाम में गैस कटिंग के दौरान अचानक ब्लास्ट हो गया. इस हादसे में करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. सूचना मिलते ही दुबग्गा पुलिस और एम्बुलेंस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई. इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है. सीएफओ लखनऊ मंगेश कुमार ने बताया कि दुबग्गा में गैस सिलेंडर फटने से 5 लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया है. उन्होंने बताया कि आग लगने की वजह से सिलेंडर ब्लास्ट हुआ था. मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया है. आग लगने की वजह अभी साफ नहीं हो सकी है, फिलहाल अभी जांच की जा रही है.

महाकुंभ मेले में 24 घंटे मिलेगी श्रद्धालुओं को OPD की सुविधा, 24 घंटे तैनात रहेंगे डॉक्टर्स

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार महाकुंभ 2025 को भव्य दिव्य और नव्या ही नहीं बल्कि सभी सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने की कोशिश कर रही है. महाकुंभ में देश–विदेश से करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिनके लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने की दिशा में योगी सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है. इस बार महाकुंभ मेले में 24 घंटे ओपीडी की सुविधा श्रद्धालुओं को मिलेगी.इसके लिए डॉक्टरो की विशेष टीम तैनात की जा रही है. महाकुंभ के परेड ग्राउंड में 100 बेड का हॉस्पिटल लगभग बनकर तैयार हो चुका है, जिसे अब अंतिम रूप देना बाकी है. इस हॉस्पिटल में 24 घंटे डॉक्टर मौजूद रहेंगे और ओपीडी की सुविधा हर समय उपलब्ध रहेगी. आपको बता दें, ओपीडी के साथ–साथ सभी जांचों की सुविधा भी इस महाकुंभ के अस्पतालों में उपलब्ध रहेगी.

एंबुलेंस 24 घंटे सेवा देगी साथ ही हर बीमारी के विशेषज्ञों की टीम भी भी मेला परिसर में मौजूद रहेगी, ताकि श्रद्धालुओं की चिकित्सा में कोई अवरोध उत्पन्न न हो. महिलाओं और बच्चों के लिए बनाए जा रहे अलग वार्ड महाकुंभ के अस्पतालों में एक्सरे अल्ट्रासाउंड ईसीजी के अलावा ब्लड जांच शुगर जांच जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होगी. महिलाओं और बच्चों के लिए अलग वार्ड तैयार किया जा रहा है. इसके अलावा डिलीवरी रूम इमरजेंसी वार्ड के लिए डॉक्टरो की अलग टीम होगी. रात में डॉक्टरो के विश्राम के लिए रूम भी तैयार किए जा रहे है,

ताकि मरीजों को 24 घंटे डॉक्टरो की सेवा मिल सके.इस बार महाकुंभ में साधु संतों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले इसके लिए विशेष ध्यान दिया गया है. साधु संतों के लिए 20 बेड के आठ छोटे हॉस्पिटल तैयार किए जा रहे है, जहाँ श्रद्धालुओं के साथ साधु संतों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके. संगम नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से महाकुंभ मेले की शुरूआत हो रही है.

चमोली में खाई में पलटी आर्मी की मिनी बस, सेना के 21 जवान थे सवार, एक गंभीर रूप से घायल

उत्तराखंड के चमोली में आज एक बड़ा हादसा हो गया, जहां आर्मी के एक मिनी बस खाई में पलट गई, हादसे के वक्त बस में 21 सेना के जवान सवार थे. इस हादसे में एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है. घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया. मौके पर स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीम पहुंच गई है, जिसके बाद राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया गया है. अभी तक मिली ,खबर के मुताबिक आर्मी की मिनी बस चमोली से रायवाला जा रही थी तभी चमोली से करीब छह किमी आगे जाकर अनियंत्रित हो गई और सीधा काई में जाकर गिरी. घटना के चीख–पुकार मच गई. आसपास के राहगीरों ने हादसे की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस की दी. घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई. जिसके बाद लोगों की मदद से जवानों को बाहर निकालने का काम किया गया. इस हादसे में एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है. उसे इलाज के लिए 108 द्वारा उपचार लिए हायर सेंटर भेजा गया है जब की अन्य जवानों को हलकी–फुलकी चोटें लगी है.

376 केस,79 की मौत कांगों में बीमारी का कहर

कांगो में एक रहस्यमयी संक्रमण श्बीमारी ग्श ने 79 लोगों की जान ले ली है और लगभग 376 मामले सामने आए हैं. कांगो के स्वास्थ्य अधिकारी दिन–रात इस बीमारी के कारण का पता लगाने में जुटे हैं. संक्रमण में बच्चों का प्रतिशत सबसे ज्यादा है जिनमें से 200 से ज्यादा बच्चे पांच साल से कम आयु के हैं.इस बीमारी की शुरुआत अक्टूबर में कांगो के क्वांगो प्रांत के पांजी स्वास्थ्य क्षेत्र में हुई थी जहां पहले मामले का पता चला. इसके लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में प्रॉब्लम और एनीमिया जैसे लक्षण शामिल हैं. इस बीमारी को लेकर स्वास्थ्य अधिकारी सतर्क हैं और इसके परीक्षण के परिणाम 48 घंटों में आने की उम्मीद जताई जा रही है. बीमारी के हवा से फैलने का अनुमान स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि ये संक्रमण हवा से फैल सकता है. इस समय कांगो में सर्दी–जुकाम जैसी बीमारियों का प्रकोप था जिससे इसे फैलने का खतरा बढ़ गया. कांगो के राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक Dieudonne Muamba ने कहा कि वायरस के प्रसार को समझने के लिए कांगो की प्रैक्टिकल लैब्स में मरीजों के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं.WHO और जापान ने स्थिति को लेकर जताई चिंता इस बीमारी ने दुनिया के कई देशों को चिंता में डाल दिया है. WHO ने कांगो में सहायता भेजी है जिसमें विशेषज्ञ, आवश्यक दवाइयां और डायग्नोस्टिक किट्स शामिल हैं. इसके अलावा जापान ने कांगो से यात्रा करने वाले लोगों पर निगरानी बढ़ा दी है और

इस क्षेत्र में यात्रा करने से बचने की सलाह दी है.आगे की स्थिति पर विशेषज्ञ कर रहे निगरानी स्वास्थ्य अधिकारी इस बीमारी के कारणों का पता लगाने के लिए लगातार रिसर्च कर रहे हैं और यह चिंता जताई जा रही है कि ये एक नया वायरस पूरी दुनिया में फैल सकता है. WHOऔर अफ्रीका सीडीसी ने कांगो के अधिकारियों को महामारी की निगरानी करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की है ताकि इस वायरस का जल्द से जल्द समाधान निकाला जा सके.

बांग्लादेश में जमानत, चिन्मयण दास को मिला ईसाई धर्मगुरू का साथ, मोहम्मद यूनुस को दे डाली नसीहत

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास, जो राजद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं, की जमानत याचिका पर सुनवाई 2 जनवरी को होगी. अल्पसंख्यक धार्मिक नेताओं ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से अपील की है कि याचिका पर निष्पक्ष विचार किया जाए.धार्मिक नेताओं का कहना है कि जमानत का अधिकार हर नागरिक को है. सेंट मैरी कैथेड्रल के फादर अल्बर्ट रोसारियो और प्रसिद्ध लेखक फरहाद मजहर ने भी जमानत के अधिकार का समर्थन किया है. अल्पसंख्यकों पर हमले और सरकार की भूमिकाबांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों की घटनाओं ने अंतरिम सरकार की स्थिति को सवालों के घेरे में ला दिया है. आलोचकों का आरोप है कि मुहम्मद यूनुस की सरकार नहीं चाहती कि इन हमलों की खबरें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचे. हालांकि, यूनुस ने गुरुवार को धार्मिक नेताओं के साथ मुलाकात कर इन हमलों की सटीक जानकारी प्राप्त करने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने का भरोसा दिया. यूनुस का दावा है कि विदेशी मीडिया में प्रका. शित खबरें और वास्तविकता में अंतर है. उन्होंने जानकारी के आदान–प्रदान के लिए एक प्रक्रिया स्थापित करने का सुझाव दिया.शांति और एकता के लिए प्रस्तावबैठक में बौद्ध संघ के मुख्य सलाहकार सुकोमल बरुआ ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव रखा. रमना हरिचंद मंदिर के सहायक सचिव अविनाश मित्रा ने हिंदू समुदाय की शिकायतें प्रस्तुत कीं, जिन पर यूनुस ने ध्यानपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया.शेख हसीना के भाषणों पर प्रतिबंधबांग्लादेश की एक अदालत ने गुरुवार (5 दिसंबर) को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भाषणों के प्रसारण और प्रकाशन पर रोक लगा दी. हसीना, जिन्हें अगस्त में विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से हटाया गया और भारत निर्वासित कर दिया गया, ने हाल ही में न्यूयॉर्क में अपनी पार्टी अवामी लीग के समर्थकों को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया था. इस संबोधन में उन्हा. ंने अंतरिम सरकार और नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की आलोचना की थी.अंतरिम सरकार की भारत विरोधी बयानबाजीहसीना ने अंतरिम सरकार पर मुस्लिम विरोधी राजनीति करने और भारत के खिलाफ जहर फैलाने का आरोप लगाया. बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति और भारत के साथ संबंधों में तनाव इन घटनाओं के कारण और बढ़ सकता है.

असम के होटलों में बांग्लादेशियों की एंट्री बैन, हिंदुओं पर हमलों को लेकर हुआ फैसला

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर भारत कई जगहों पर विरोध पर रहे हैं. इस बीच असम की बराक घाटी के होटलों ने यह घोषणा की है कि जब तक बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों समुदायों के लोगों पर हमले बंद नहीं हो जाते तब तक वे किसी भी बांग्लादेशी नागरिक को अपनी सेवाएं मुहैया नहीं कराएंगे.इन जिलों के होटलों में बांग्लादेशियों की एंट्री बंद. बराक घाटी में कछार, श्रीभूमि (पूर्व में करीमगंज) और हैलाकांडी के तीन जिले शामिल हैं और यह घाटी बांग्लादेश के सिलहट क्षेत्र के साथ 129 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करती है. बराक घाटी होटल और रेस्तरां एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबुल राय ने संवाददाताओं से कहा, "बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति चिंताजनक है. हम इसे किसी भी तरह से स्वीकार नहीं कर सकते इसलिए हमने फैसला किया है कि जब तक स्थिति में सुधार नहीं होता और हिंदुओं पर अत्याचार बंद नहीं हो जाते तब तक हम बराक घाटी के तीनों जिलों में पड़ोसी मुल्क के किसी भी नागरिक को अपने यहां नहीं रखेंगे. यह विरोध जताने का हमारा तरीका है."ि. हंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का कर रहे विरोधउन्होंने कहा, "बांग्लादेश के लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में स्थिरता लौट आए. अगर स्थिति में सुधार होता है तभी हम अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकते हैं."

कुछ दिन पहले, बजरंग दल ने सिलचर में आयोजित एक वैश्विक प्रदर्शनी के आयोजकों से पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में बांग्लादेशी उत्पाद बेचने वाले दो स्टॉल बंद करने को कहा था और उनकी मांग मान ली गई थी.बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) 10 दिसंबर 2024 को सिविल सोसाइटी ऑफ दिल्ली के बैनर तले बांग्लादेश दूतावास तक मार्च निक. ालेगा. आरएसएस के एक पदाधिकारी ने कहा कि दिल्ली में 200 से अधिक सामा. जिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि विरोध मार्च में शामिल होंगे.

देहरादून दूर नहीं, दिल्ली से 2.5 घंटे में पूरा होगा सफर

अगर आप दिल्ली से देहरादून आना–जाना करते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है. अब जल्द ही आप सड़क के रास्ते सिर्फ 2.5 घंटे में दिल्ली से दे. हरादून पहुंच सकेंगे. दरअसल, दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे को जनवरी 2025 में शुरू करने का दावा किया जा रहा है.अगर यह एक्सप्रेसवे खुल जाता है तो न सिर्फ दिल्ली से देहरादून जाना आसान होगा, बल्कि सहारनपुर और बागपत जाने में भी काफी कम समय लगेगा. यहां हम आपको बताएंगे इस एक्सप्रेसवे से जुड़ी कुछ खास बातें जो शायद आप नहीं जानते होंगे.इस एक्सप्रे. सवे में क्या है खासअभी तक सड़क के रास्ते दिल्ली से देहरादून जाने में 5–6 घंटे लगते हैं, लेकिन इस एक्सप्रसवे के जरिये सिर्प 2.5 घंटे में आप देहरादून तक पहुंच सकेंगे.इस एक्सप्रेसवे की लंबाई 210 किलोमीटर है. यह दिल्ली के अक्षरधाम से शुरू होता है और देहरादून पर जाकर खत्म होता है.यह एक्सप्रेसवे तीन राज्यों (दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड) से होकर जा रहा है. यह बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर तक भी दिल्ली की कनेक्टिविटी आसान करेगा.इस एक्सप्रेसवे का काफी हिस्सा एलिवेटेड है तो कुछ ऑन रोड है, जबकि कुछ किलोमीटर हिस्सा अंडरग्राउंड या टनल के जरिये है.सबसे आकर्षण का केंद्र दे. हरादून में बना हिस्सा है. यहां राजाजी नेशनल पार्क के पास 12 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड बना गया है ताकि जानवर सुरक्षित रहें. इसी हिस्से में 2.3 किलोमीटर हिस्सा जो पार्क के अंदर से गुजर रहा है, टनल के जरिये निकाला गया है, ताकि जानवरों की वजह से ट्रैफिक बाधित न हो.यह एक्सप्रेसवे दिल्ली और देहरादून के बीच की 280 किमी दूरी को घटाकर 210 किमी करेगा. इस एक्सप्रेसवे पर 60 अंडरपास भी बनाए गए हैं. इसके अलावा कई इंटरचेंज पॉइंट भी इस पर मिलेंगे. यह एक्सप्रसवे कई दूसरे बड़े हाइवे और एक्सप्रसवे को भी कनेक्ट करेगा. ईस्टर्न पेरिफेरल और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे को यह कनेक्ट कर रहा है. यह एक्सप्रेसवे छह लेन का है, जिन्हें आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकता है, इसमें सर्विस रोड का भी प्रावधान है।इस पर आपको अत्याधुनिक टोल प्लाजा का अनुभव मिलेगा. वाहनों की निगरानी और प्रबंधन के लिए स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की व्यवस्था होगी. यात्रियों की सुविधा के लिए फूड कोर्ट, फ्यूल स्टेशन और पा. र्कंग सुविधाओं वाले नियोजित रेस्ट एरिया बनाया गया है.

मस्जिदों के सर्वे पर भड़के रॉबर्ट वाड्रा

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और बिजनेस मैन रॉबर्ट वाड्रा ने हाल ही में धार्मिक स्थानों की यात्रा करते हुए एक बयान दिया. उन्होंने कहा कि वह देशभर के अलग–अलग धार्मिक स्थलों की यात्रा कर रहे हैं और आज वह मुंबई में स्थित प्रसिद्ध हाजी अली दरगाह पर पहुंचे हैं. मीडिया से बात करने के दौरान बताया कि यहां उन्होंने चादर चढ़ाई और देश व अपने परिवार के लिए प्रार्थना की.इसके बाद वाड्रा ने मस्जिदों पर किए जा रहे सर्वेक्षणों पर अपनी चिंता जाहिर की और इसे पूरी तरह से गलत बताया. उन्होंने कहा, कि भारत एक विविधतापूर्ण राष्ट्र है और प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का पूरा अधिकार है. उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है और इससे समाज में तनाव बढ़ सकता है. रॉबर्ट वाड्रा ने कहा धार्मिक संकट में भगवान की ओर रुख करते हैं लोगवाड्रा ने कहा कि जब लोग संकट में होते हैं तो वे राजनेताओं की ओर नहीं बल्कि अपने भगवान की ओर रुख करते हैं. उनका यह बयान देश में धार्मिक असहमति और तनाव के दौर में विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो गया है. उन्होंने अपने बयान के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज में शांति और सामूहिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी धर्मों के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए.सामाजिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में वाड्रा का बयानबता दें कि रॉबर्ट वाड्रा का यह बयान तब आया है जब देश में अलग–अलग धार्मिक स्थानों पर सर्वेक्षणों को लेकरबहस छिड़ी हुई है. ऐसे में कई राजनीतिक और धार्मिक समूह इसे सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देने के रूप में देख रहे हैं. वाड्रा ने इस बयान से यह स्पष्ट किया कि धार्मिक स्थलों का सर्वेक्षण किसी भी हाल में सामूहिक शांति और सामाजिक सौहार्द के लिए ठीक नहीं है. इससे लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचती है.

ममता बनर्जी बीजेपी की एजेंट', इंडिया गठबंधन की नेता बनने के प्रस्ताव पर कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस के नेता और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर बड़ा हमला किया है. उन्होंने अपनी पार्टी की गंठबंधन सहयोगी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) चीफ ममता बनर्जी के लिए भी बड़ी बात कही है. संदीप दीक्षित ने ममता बनर्जी को बीजेपी का एजेंट करार दिया है.ममता बनर्जी की ओर से इंडिया गठबंधन की नेता बनने को लेकर जताई गई इच्छा पर संदीप दीक्षित ने कहा, "सीनियर लीडर तय करेगें कि इंडिया अलांयस का नेता कौन होगा." उन्होंने ममता बनर्जी पर कुछ गंभीर आरोप भी लगाए हैं.केजरीवाल पर क्या कहा?संदीप दीक्षित ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर कहा कि शहर को बिगाड़ने वाला सिर्फ अरविंद केजरीवाल है. शहर की पहचान इस बात से होती है कि वह रहने लायक है, काम करने लायक है, उसने सब बिगाड़ दिया है. हवा, सड़कें, सब कुछ खराब है. दिल्ली की खराब कानून व्यवस्था के लिए अर. विंद केजरीवाल और आप सरकार भी जिम्मेदार है. उन्होंने तो कानून व्यवस्था भी ठीक करने की बात कही थी. पुलिस बेशक केंद्र सरकार के पास हो, लेकिन केजरीवाल का सीसीटीवी कैमरा अपराध क्यों नहीं पकड़ता है. कांग्रेस हमेशा दिल्ली की कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाती है.ममता बनर्जी को लेकर क्या कहा?संदीप दीक्षित ने आगे कहा कि ममता बनर्जी ज्वलंत मुद्दे क्यों नहीं उठाती हैं. वह ज्वलंत मुद्दों पर कुछ क्यों नहीं बोलती हैं. वह जमीन पर संघर्ष नहीं करती हैं. ममता बनर्जी बीजेपी की एजेंट हैं.ष्छक्ष्। गठबंधन की नेता बनने की जताई थी इच्छाबता दें कि ममता बनर्जी ने हाल ही में एक टीवी को दिए इंटरव्यू में कहा था, "मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है. अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा. अगर मौका मिला तो मैं इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करूंगी. मैं बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं.

परी चौक पर दिल्ली कूच के लिए पहुंचे 60 से अधिक किसान गिरफ्तार

10 फीसदी भूखंड देने समेत मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन में गिरफ्तार किसानों को रिहा करने समेत मांगों को लेकर जेल भरो आंदोलन चल रहा है।10 फीसदी भूखंड समेत मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत शनिवार को दिल्ली कूच करने पहुंचे 60 से अधिक किसान और महिलाओं को परी चौक से गिरफ्तार कर लिया। सभी को लुकसर जेल भेज दिया है। किसान जत्थों के रूप में नारेबाजी करते हुए पहुंचे। 10 फीसदी भूखंड देने समेत मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन में गिरफ्तार किसानों को रिहा करने समेत मांगों को लेकर जेल भरो आंदोलन चल रहा है। शनिवार को किसानों के दिल्ली कूच करने की सूचना पर परी चौक पर सवेरे से ही भारी संख्या में पुलिस, पीएसी समेत आरपीएफ के महिला जवान तैनात किए थे। करीब 12 बजे तुगल. पुर गांव की और से नारेबाजी करते हुए 30 से अधिक किसान, महिलाएं परी चौक पर पहुंचे। किसानों के परी चौक पर पहुंचते ही पुलिस ने उनको चारों ओर से घेर लिया। किसानों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया। उसके आधा घंटे के बाद दादरी के एनटीपीसी के नजदीक के गांवों के किसान और महिलाएं नारेबाजी करते हुए परी चौक पर पहुंचे। इनमें 40 से अधिक महिलाएं भी शामिल थी। महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार करने के दौरान काफी देर तक धक्का–मुक्की भी हुई। महिलाएं जमीन पर बैठकर नारेबाजी करती रही। पुलिस ने उनको उठाकर बस से जेल भेज दिया गया। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन की तानाशाही चल रही है। आंदोलन को दबाने के लिए उनके नेताओं को जेल भेज दिया है। लेकिन किसान अपना हक लेकर रहेंगे। किसानों का जेल भरो आंदोलन जारी रहेगा।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के सुअवसर पर सैनिकों के योगदान को किया गया स्मरण

जिलाधिकारी ने की सैनिकों के कल्याणार्थ अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग करने की अपील

अलीगढ़ सैनिकों के कल्याणार्थ प्रतिवर्ष 07 दिसंबर को मनाए जाने वाले सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के सुअवसर पर विंग कमाण्डर जितेन्द्र कुमार चौहान, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी अलीगढ द्वारा आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ चौत्रा वी. एवं जिलाधिकारी विशाख जी0 को प्रतीक झण्डे लगाकर इस पावन पर्व को मनाया गया।जिलाधिकारी विशाख जी0 ने इस अवसर पर निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास उ0प्र0 लखनऊ से प्राप्त स्मारिका का विमोचन किया। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं यातायात के साथ ही बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जनपद स्तरीय अन्य अधिकारीगणों को प्रतीक झण्डे लगाकर इस पावन पर्व को हर्षोउल्लास से मनाया। इस दौरान सभी अधिकारियों ने दान पात्र में स्वैक्षिक दान किया। इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों ने भी उत्साह के साथ हिस्सा लिया।बताते चलें कि 07 दिसम्बर को सन् 1949 से पूरे देश में सशस्त्र सेना झंण्डा दिवस के रूप में शहीदों और वर्दी धारियों, जिन्होने देश के सम्मान की रक्षा के लिये हमारी सीमाओं पर बहादुरी से लडाई लडने, का सम्मान करने के लिये मनाया जाता है। यह आयोजन देश की सुरक्षा एवं अखण्डता की रक्षा के लिये सीमाओं पर बहादुरी से लडाई लडने और अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों की वीर नारियों, अपंग एवं गम्भीर बीमारियों से जूझ रहें पूर्व सैनिकों एव उनके आश्रितों, दीन हीन पूर्व सैनिकों जो उच्च खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं, की

सहायता करने, एवं उनके देख भाल करने के लिये हमारे दायित्व को दर्शाता है।सशस्त्र सेना झंण्डा दिवस का आयोजन कर हम देश के परमवीर, बलिदानी, त्यागी एवं शौर्य का परिचय देते हुए शहीद सैनिकों, जिन्होंने राष्ट्र को अपने त्याग और बलिदान से गौरव. न्वित किया है, उन वीर जवानों के प्रति हम कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, और उनके आश्रितों की देख भाल और समर्थन के लिए इस सुअवसर पर नागरिकों से यथा शक्ति धन संग्रह का पुण्य कार्य करते हैं। इस दिन थल सेना, नौसेना और वायु सेना के जवानों द्वारा दी गई सेवाओं को याद किया जाता है। यह हमारे देश के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक कर्तव्य है कि वह हमारे वीर शहीदों और विकलांग सैनिकों के आश्रितों के पुनर्वास और कल्याण को सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, संभ्रांत नागरिकों, समाज सेवियों से अनुरोध किया है कि इस पुनीत दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनायें और यथाशक्ति योगदान करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए समन्वय बैठक 09 दिसंबर को

अलीगढ 07 दिसंबर 2024 14 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए 09 दि. संबर को सांय 04:30 बजे प्रथम अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी लोक अदालत के विश्राम कक्ष में एक आवश्यक समन्वय बैठक आहुत की जाएगी।अपर जिला जज एवं पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्तव ने उक्त जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह निर्धारित समय व स्थान पर बैठक में स्वयं प्रतिभाग करना सु. निश्चित करें।

मा0 सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा कृष्णांजलि में दिव्यांगजनों को वितरित किए गए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण

अलीगढ़ 05 दिसंबर 2024 (सू0वि0)रू अधिकारी दिव्यांगों के कल्याणार्थ उन्हें अधिकाधिक आधुनिक तकनीक से लाभान्वित करना सुनिश्चित करें ताकि उनका जीवन यापन और अधिक सुगम हो सके। दिव्यांगों को चिन्हित करते समय पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए और उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपकरण एवं कृत्रिम अंगों का लाभ दिया जाए।उक्त उद्गार मा0 सांसद श्री सतीश कुमार गौतम ने कृष्णांजलि सभागार में व्यक्त किये, वह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की एडिप योजनार्न्तगत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम फरीदाबाद के सौजन्य से आयोजित दिव्यांगजनों के सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग का वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्हा.ने कहा कि दिव्यांगों को स्वरोजगार के अधिकाधिक अवसर सृजन करने के लिए विभागीय योजनाओं में प्राथमिकता दी जाए ताकि वह भी समाज की मुख्यधारा से जुड़कर अपने को कमतर न समझें। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने विकलांग शब्द को हटाते हुए दिव्यांग शब्द का प्रयोग कर दिव्यांगों के सम्मान को बढ़ाया है और इससे समाज में उन्हें देखने का नजरिया बदला है। मा0 सांसद ने इस अवसर पर दिव्यांगों के लिए वितरित किए जाने वाले भोजन को स्वयं खाकर उसकी गुणवत्ता पर संतोष प्रकट किया।मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से लाभान्वित होकर निश्चित रूप से दिव्यांग सशक्त होंगे और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने दिव्यांगों से आव्हान किया कि वह अपने आप को कमजोर न समझें। मा0 प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार आपको सशक्त करने के लिए कृत संकल्पित है।मा0 एमएलसी डा0 मानवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि दिव्यांगता दो प्रकार की होती है एक जन्म से और एक विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं के कारण। 84 लाख योनियों के बाद हमें मनुष्य शरीर प्राप्त होता है, परन्तु शरीर में दिव्यांगता के कारण हम अपनी इच्छानुरूप कार्य करने में सक्षम नहीं होते है, परन्तु अब दिव्यांग व्यक्ति भी सहायक उपकरण एवं अंगों के सहयोग से सामान्य व्यक्ति की भांति ही अपना जीवन यापर कर रहे हैं। ऐसे में आपको किसी भी स्तर पर निराश नहीं होना है और सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं एवं संचालित योजनाओं के माध्यम से अपने का सशक्त बनाएं। मा0 जिलाध्यक्ष कृष्ण लाल सिंह ने कहा कि एल्मिको के सहयोग से प्रदत्त किए जा रहे उपकरणों एवं सहायक अंगों से आपका जीवन सुगम एवं सरल बनेगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को पहले समाज से अलग–थलग समझा जाता था, समाज के लोग न सुनने वाले और न देखने वाले दिव्यांग को कोई तवज्जो नहीं देते थे, परन्तु अब ऐसा नहीं है। अब दिव्यांग आधुनिक सरकार द्वारा प्रदत्त उपकरणों का उपयोग कर सामान्य जीवन जी रहे हैं।एल्मिको फरीदाबाद के प्रबंधक ललित कुमार ने बताया कि 1972 से आरम्भ हुई उनकी संस्था का मुख्यालय कानपुर में है। संस्था द्वारा अब तक 21 प्रकार की दिव्यांगता को कवर करते हुए देश भर में 42 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया जा चुका है। दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए बनाए गए स्मार्ट केन एवं स्मार्ट फोन बहुत ही सहायक सिद्ध हुए हैं। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा अलीगढ़ में दो शिविरों के माध्यम से चयनित दिव्यांगजनों को लगभग 85.36 लाख रूपये धनराशि के लगभग 523 सहायक उपकरण एवं 144 कृत्रिम अंग वितरित किए गए हैं।जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी रोहित कुमार ने दिव्यांग जनों को शासकीय विभाग द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने के आवेदन की प्रक्रिया एवं आवश्यक प्रपत्रों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि एल्मिको फरीदाबाद के सहयोग से जनपद में आयोजित दो शि. विरों के माध्यम से 320 ट्राइसाइकिल, 80 मोटराइज्ड ट्राइसाईकिल, 54 व्हील चेयर, 80 छड़ी, दृष्टिबाधित कि लिए 08 स्मार्ट केन एवं 01 स्मार्ट फोन समेत लगभग 523 उपकरण के साथ ही 144 कृत्रिम अंग वितरित किए गए हैं।इससे पूर्व मा0 सांसद, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष, मा0 एमएलसी, मा0 ब्लॉक प्रमुख धनीपुर एवं एल्मिको के सीनियर मैनेजर द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक इगलास श्री राजकुमार सहयोगी, मा0 ब्लॉक प्रमुख धनीपुर पूजा दिवाकर, जिला उपाध्यक्ष ठा0 शल्यराज सिंह, सतपाल सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं एडी सूचना संदीप कुमार, प्रभारी निरीक्षक नागरिक सुरक्षा सीपी सिंह समेत एल्मिको फरीदाबाद के सीनियर मै. नेजर विकास शर्मा, सपोर्ट स्टाफ, सिविल डिफेंस के वालिंटियर्स समेत दिव्यांग लाभार्थी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एसआरजी संजीव शर्मा द्वारा किया गया।

मा0 विधायक ने पोलियो जागरूकता महारैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

अलीगढ़ मा0 शहर विधायक श्रीमती मुक्ता संजीव राजा द्वारा शनिवार को जिले में पल्स पोलियो अभियान के प्रचार–प्रसार के लिए मलखान सिंह जिला चिकित. सालय से पोलियो जागरूकता महारैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।मा0 विधायक ने कहा कि पोलियो के कारण हुई दिव्यांगता से व्यक्ति अपनी सारी उम्र ग्रसित रहता है। परन्तु यदि समय पर पोलियो उन्मूलन के लिए संचा. लित अभियान के तहत आपके घर के नजदीक लगने वाले बूथ पर अपने नौनिहालों को श्दो बूंद जिंदगी कीश्श पोलियो ड्राप पिलवा दी जाए तो काफी हद तक इससे बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को पोलियो जैसी दिव्यांगता से सुरक्षित रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी और कर्तव्य है, इसे हर हाल में निभाएं।मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 नीरज त्यागी एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 एस0के0 जैन ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वह अपने 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को 08 दिसंबर को आयोजित होने

वाले बूथ दिवस पर अपने नजदीक आयोजित बूथ पर ले जाकर पोलियो ड्राप पिलवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के दौरान जिले में 06 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई जाऐगी। इस अवसर पर समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

वृहद रोजगार मेले का आयोजन 11 दिसंबर को धर्मसमाज महाविद्यालय में

अलीगढ धर्मसमाज महाविद्यालय में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेन्टर, एवं धर्मसमाज महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में वृहद रोजगार मेले का आयोजन 11 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। मेले में 25 कम्पनियों द्वारा लगभग 2800 रिक्त पदों पर बेरोजगारों का चयन किया जाएगा।क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी डा0 पीपीसी शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में डिक्शन प्रा0लि0 नोयडा, जीलौग लौजिस्टक प्रा0लि0 फरीदाबाद, बंधन स्किल डवलपमेन्ट सेन्टर अलीगढ़, विजन इण्डिया सर्विस नोयडा, हरी सर्विस प्रा0 लि0 अलीगढ़, टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेन्ट सेन्टर, एसआईएस इण्डिया लि0 न्यू दिल्ली एवं अन्य के द्वारा सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर, मार्केटिंग, अप्रेन्टिशिप, अकाउण्टेन्ट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवाईजर, सुपरवाईजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इंचार्ज, टैक्नीशियन, टेलीकालर के पदों पर हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आई0टी0आई0, डिप्लोमा, बी0टैक0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0, एम0बी0ए० उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam-up-gov-in पर रजिस्ट्रेशन करें एवं ूदबे.हवअ.पद पर लॉगिन करें। उन्होंने कहा कि उक्त पोर्टल पर रजिस्टर्ड अभ्यर्थी ही रोजगार मेले में प्रतिभाग कर पायेंगें। रोजगार मेले में सभी आवेदित अभ्यर्थी अपने साथ पंजीयन कार्ड (एक्स–10), समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की फोटो एवं मूल प्रति, फोटो आई0डी0, 02 फोटो एवं रिज्यूमे लेकर अवश्य आयें। रिक्तियों का विस्तृत विवरण सेवायोजन पोर्टल पर देखें किसी भी असुविधा के लिये सेवायोजन कार्यालय से सम्पर्क करें।

हज यात्रियों के प्रशिक्षण के लिए 13 दिसंबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

अलीगढ जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी निधि गोस्वामी ने अवगत कराया है कि हज कमेटी आफ इण्डिया द्वारा हज यात्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के लिए प्रशिक्षकों के चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये है।उन्होंने आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तृ जानकारी देते हुए बताया कि आवेदन वेबसाइट hajcommittee-gov-in पर 13 दिसंबर की रात्रि 12 बजे तक किया जा सकेगा। केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किये जाएगे ऑफलाईन आवेदन अस्वीकार हैं। हज कमेटी आफ इण्डिया द्वारा दिसम्बर 2024 के तीसरे सप्ताह में लिखित परीक्षा ली जाएगी। प्रशिक्षको का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिल्ली में जनवरी 2025 के प्रथम सप्ताह में संम्भावित है। 150 आवेदकों पर 01 प्रशिक्षक का चयन किया जायेगा। पूर्व प्रशिक्षक जिनको पिछला अनुभव है व प्रर्याप्त ज्ञान हो एवं प्रदर्शन संतोषजनक रहा हो, उनका चयन किया जायेगा परन्तु जिनके द्वारा निराशाचनक प्रदर्शन किया गया हो उनका चयन नहीं किया जायेगा।उन्होंने बताया कि प्रशिक्षक के लिए आयु 30 नवम्बर 2024 को 25 वर्ष से कम एवं 60 वर्ष से अधिक न हो (जन्मतिथि 01 दिसम्बर 1964 से पूर्व की न हो)। उन्होंने बताया कि महिला हज आवेदकों के प्रशिक्षण के लिए समुचित संख्या में महिलाओं का भी चयन किया जायेगा। प्रशिक्षक का गत 05 वर्षो में हज किया होना अनिवार्य है। प्रशिक्षक को भीड व समूह को सम्बोधित करने व नियंत्रित करने का अनुभव हों। प्रशिक्षक कम्प्यूटर की जानकारी रखता हो ताकि ईमेल, व्हाट्एप सुविधाओं का संचालन कर सके। जो आवेदन सही पाये जाएगें उन अभ्यार्थियों का साक्षात्कार राज्य हज समिति अथवा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा जिला स्तर पर किया जायेगा।

कट्टरपंथ का खतरा,ये तो बांग्लादेश के अंतरिम सरकार की लापरवाही

बांग्लादेश में हालिया सत्ता परिवर्तन के बाद से ही हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों पर होने वाले हमले अंतरराष्ट्रीय चिंता का कारण बने हुए हैं। हैरत की बात है कि बांग्लादेश की कामचलाऊ सरकार इन हमलों को रो.कने से ज्यादा दिलचस्पी इनका खंडन करने में लेती दिख रही है। उसका इन हमलों पर आधिकारिक स्पष्टीकरण यह है कि भारत का मीडिया इन हमलों को बढ़ा–चढ़ाकर दिखा रहा है। ऐसे में अमे.रिका की यह प्रतिक्रिया खासी अहम हो जाती है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर वह नजर बनाए हुए है और उम्मीद करता है कि वहां सभी नागरिकों के मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।अमेरिका से करीबीबांग्लादेश में जिन हालात में शेख हसीना को इस्तीफा देकर वहां से निकलना पड़ा और मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाया गया, उसने कई तरह के सवाल खड़े किए। इस नई सरकार पर इस्ला.मिक कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव को लेकर आशंकाएं भी पहले दिन से थीं। लेकिन मोहम्मद यूनुस की अमेरिका से करीबी भी काफी चर्चा में रही। कुछ हलकों में कहा जा रहा था कि उन्हें अमेरिका का परोक्ष समर्थन हासिल है। बहरहाल, अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर अमे.रिका की ताजा प्रक्रिया आने के बाद इस बात पर नजर बनी हुई है कि उनकी सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के रुख में किस तरह का और कितना बदलाव आता है। पाकिस्तान की ओर झुकावअब तक अंतरिम सरकार के रुख ने इन आशंकाओं को मजबूती ही दी है कि उसकी नीतियां न सिर्फ बा.ंग्लादेश के बल्कि पाकिस्तान के भी इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दे सकती हैं। इसका ताजा उदाहरण है पाकिस्तानियों और पाकिस्तानी मूल के लोगों को वीजा देने के नियमों में ढील देने का फैसला। अंतरिम सरकार के इस फैसले के मुताबिक अब इनलोगों को बा.ंग्लादेश की यात्रा करने के लिए सिक्यॉरिटी क्लीयरेंस लेना जरूरी नहीं होगा।भारत की चिंताएक्सपर्ट्स मानते हैं कि इस फैसले से भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ेंगी। वजह यह है कि इससे पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी तत्वों का बांग्लादेश आना आसान हो जाएगा। ध्यान रहे, बांग्लादेश के साथ भारत की 4000 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। 2001 से 2006 के बीच बीएनपी–जमात–ए–इस्लामी शासन के दौरान बांग्लादेश में सक्रिय आतंकी तत्वों के कई कारनामे भारत भुगत चुका है।क.ूटनीतिक चुनौती जाहिर है, पड़ोसी देश का घटनाक्रम भारत के लिए बड़ी कूटनी.तिक चुनौती पैदा करता दिख रहा है। मसला सिर्फ अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों या वहां की कानून–व्यवस्था की स्थिति तक सीमित नहीं है। अंतरिम सरकार को यह समझना होगा कि हिंदुओं की सुरक्षा के प्रति उदासीनता दिखाना ठीक नहीं है और भारत उसका मित्र देश है।

क्या BJP की निजी संपत्ति है राम मंदिर? सवाल खरा है इसलिए लग रही मिर्ची सामना

राम मंदिर को लेकर जिस तरह से बीज.ेपी पूरा क्रेडिट ले रही है, उसे लेकर शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में संपादकीय श्अयोध्या किसकी?श के जरिए मोदी सरकार पर हमला किया गया है।सामना में लिखा गया है कि श्ठश्रच ने अयोध्या के राम मंदिर की राजनीति को बेहद विकृत मोड़ पर पहुंचा दिया है। यह हमारी संस्कृति को शोभा नहीं देता। बीजेपी के लोग ऐसे व्यवहार कर रहे हैं, जैसे हिंदुत्व का ठेका उन्हीं के पास है और राम मंदिर के सात बारह (जमीन के मालिक होने का सबूत) पर उनका ही नाम है। लेकिन राम मंदिर निर्माण होते–होते यह साफ हो गया है कि श्रामराज्यश रसातल में चला गया है। अगर हम महाराष्ट्र की ही बात करें तो राज्य में किसानों की आत्महत्याओं ने पश्चिमी घाट की पहाड़ियों और घाटियों को आंसुओं से भिगो दिया है। अकेले यवतमाल जिले में ही 48 घंटे के भीतर छह किसानों ने आत्महत्या कर ली।पश्चिम विदर्भ में एक साल में सवा हजार किसानों ने आत्महत्या की। ऐसे घृणित शासन करने वाले लोग श्री राम मंदिर उत्सव की राजनीतिक घंटियां बजाते फिर रहे हैं। महाराष्ट्र में आए दिन किसान, बेरोजगार आत्महत्या कर रहे हैं और शायद इसी बड़ी उपलब्धि के लिए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 'डॉक्टरेट' की उपाधि से सम्मानित किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, जापान के एक विश्वविद्यालय ने सामा.जिक समानता के लिए उनके कार्य को देखते हुए उन्हें यह 'डॉक्टरेट' की उपाधि प्रदान की हैश।लेख में आगे लिखा गया है कि श्राज्य में सामाजिक समानता और प्रगतिशील सोच के चीथड़े उड़ रहे हैं। मौजूदा वक्त में मराठा, ओबीसी और अन्य समुदायों के बीच टकराव के कारण स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई है। इसके पीछे किसका दिमाग और किसके खोखे हैं, ये महाराष्ट्र जानता है। अब देवेंद्र फडणवीस के आगे 'डॉ.' की उपाधि लगेगी। पिछले दिनों मुख्यमंत्री शिंधे को भी किसी संस्था ने उनके सामाजिक कार्यों को देखते हुए 'डॉ.' की पदवी दी। लेकिन महाराष्ट्र में मौजूदा सरकार के दौरान तीन हजार से ज्यादा किसानों के नाम के आगे 'स्व.' की उपाधि लगी है। उनके घर– बार उजड़ गए। परिवार अनाथ और असहाय हो गए। इस मसले पर सरकार के 'डॉ.' कुछ नहीं बोलते।विदर्भ में किसानों की जिंदगी मरघट में बदल गई है और वहां कश्मीर घाटी में सैनिकों की चिताएं जल रही हैं, लेकिन यहां डॉ. फडणवीस और अन्य लोग अपनी पिचकी जांघें थ.पथपाकर कह रहे हैं, 'राम मंदिर की लड़ाई में शिवसेना का क्या योगदान है? हिम्मत है तो अयोध्या आओ, तुम्हारी छाती पर मंदिर खड़ा किया गया है।' राम का अर्थ है संयम। राम का अर्थ है सुस्वभाव, लेकिन इन लोगों ने संयम की ऐसी–तैसी कर दी है। जो लोग, जब अयोध्या की लड़ाई चल रही थी और शिवसैनिक बाबरी पर निर्णायक प्रहार कर रहे थे, तब मैदान छोड़कर भाग गए थे, वे रणछोड़दास अब 'साहस दिखाएं' का ताव दिखाते हैं तब आश्चर्य होता है।लेख में लिखा गया है कि श्क्या राम मंदिर आपकी निजी संपत्ति है? ऐसा सवाल पूछने पर फडणवीस जैसे लोगों को 'मिर्ची' लगने की कोई वजह नहीं थी, लेकिन सवाल खरा और तीखा था इसलिए उन्हें लग गई। प्रभु श्रीराम की उंगली पकड़कर विष्णु के 13वें (भाजपा कृत) अवतार मोदी राम मंदिर की ओर निकल पड़े हैं, ऐसी पोस्टरबाजी हिंदुओं को मंजूर नहीं। क्या मोदी श्रीराम से भी बड़े हो गए हैं? अगर कोई और ऐसा पा.ेस्टर छापता तो 'हिंदुत्व का अपमान हुआ है' का स्यापा करते हुए बीजेपी सड़कों पर घंटियां और थालियां बजाती। लेकिन मोदी राम मंदिर की ओर निकले हैं और राम ने उनकी उंगली पकड़ी है, यह तस्वीर बीजेपी को परेशान नहीं करती।. राम मंदिर के लिए सैकड़ों कारसेवकों ने अपना बलिदान दिया है और कई अज्ञात कारसेवक सीने पर गोलियां झेलकर सरयू की तलहटी में बैठे तपस्या कर रहे हैं। उनका कुछ योगदान ये लोग मानेंगे कि नहीं? लालकृष्ण आडवाणी ने श्रीराम मंदिर के लिए अयोध्या रथ यात्रा नहीं निकाली होती और उन्होंने जो अग्नि जलाई, उसमें अशोक सिंघल, विनय कटियार, हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे ने संघर्षमय समिधा नहीं डाली होती तो आज का राम मंदिर खड़ा नहीं होता, लेकिन बीजेपी ने उन्हें भुला दिया। राम मंदिर की लड़ाई के बाद मुंबई में भड़के दंगों में हिंदुओं की रक्षा करने वाली शिवसेना का राम मंदिर में क्या योगदान है? ऐसा पूछने वाली संतान शुद्ध हिंदू नहीं हो सकती। जो लोग बाबरी का गुंबद ढहते समय भाग खड़े हुए थे, वे आज हिंदुत्व आदि बनकर घूम रहे हैं और इस ढोंग को देखकर गंगा, यमुना, गोदावरी, सरयू भी स्थिर हो गई हैं। यह खुशी का गीत है कि राम मंदिर बन रहा है और पूरा देश ये गीत गा रहा है। राम अहंकारी नहीं थे, लेकिन राम मंदिर का उद्घाटन करने वाले अहंकारी और पाखंडी हैंश।सामना में आगे लिखा गया है कि श्श्रीराम ने पिताश्री दशरथ का सम्मान रखा और वनवास स्वीकार किया। यहां पिताश्री आडवाणी को ही वनवासी कर अयोध्या का सात–बारह अपने नाम पर किया जा रहा है। अनगिनत जुमलेबाजी के इतिहास में ये एक और पन्ना जोड़ा जा रहा है। प्रभु श्रीराम आम आदमी के, सत्य को धारण करने वालों के देवता हैं। उस भगवान के लिए लड़ाई हुई। लेकिन अब बीजेपी ने एलान किया है, 'राम मंदिर केवल 'वीवीआईपी' यानी बेहद खास लोगों के लिए खुला रहेगा। सिर्फ उन्हें ही आमंत्रित किया जाएगा।' ऐसा कहने वाले ये रावण और विभीषण के वंशज होंगे। राम का चरित्र हिमालय के धवल शिखर के समान है। भारतीय संस्कृति राम, लक्ष्मण, भरत, सीता ने बनाई है। भारतीयों के खून की बूंद–बूंद में रामचरित्र मानस व्याप्त है। रामचरित्र मानस बीजेपी की जुमलेबाजी नहीं है और अयोध्या अडानी की संपत्ति नहीं है। राम मंदिर का उद्घाटन समारोह एक पावन मंगलमय कार्य है। लेकिन ठश्रच ने राजनीतिक कीचड़ बनाकर इसकी मांगल्य और पवित्रता को ही समाप्त कर दिया, इसे विकृति ही कहा जा सकता

खतरा है वास्तविक

शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल पर बुधवार को जिस तरह से अमृतसर के स्वर्णमंदिर में जानलेवा हमला हुआ, वह बताता है कि खालिस्तानी अलगाववाद के दोबारा सिर उठाने का खतरा कितना वास्तविक है। गनीमत रही कि पंजाब पुलिस के ।ै्प् जसबीर सिंह की सतर्कता और तत्परता की बदौलत बादल बाल–बाल बच गए, लेकिन इस घटना ने अलगाववादी ताकतों से जुड़े खतरनाक पहलुओं को बेनकाब कर दिया है।ध्यान रहे, बादल पर यह हमला तब हुआ, जब वह 2007 से 2017 के बीच अकाली सरकार के दौरान हुई 'गलतियों' के लिए तनखैया घोषित किए जाने के बाद अकाल तख्त के आदेश के मुताबिक स्वर्ण मंदिर के द्वार पर सेवादार की ड्यूटी निभा रहे थे। धर्म की आड़ लेकर पल रही उग.वादी सोच कैसे करोड़ों लोगों की आस्था और उनकी धार्मिक भावनाओं की धज्जियां उड़ा देती है, वह इस घटना से एक बार फिर स्पष्ट हो गया।

निशाने पर युवा रू यह बात सही है कि नब्बे के दशक के मध्य तक आते–आते पंजाब में खालिस्तानी उग्रवाद पर काफी हद तक काबू कर लिया गया था। लेकिन उसके बाद पैदा हुई पीढ़ी के मन में उस दौर की कोई स्मृति न होने की वजह से उसे इस बात का अहसास नहीं है कि उस दौरान लोगों को उग्रवादियों के कारण किस–किस तरह की परेशानी हुई और किन–किन मुसीबतों का सामना करना पड़ा। इसी बात का फायदा उठाते हुए बाद के दौर में खालिस्तान समर्थक तत्वों ने सोशल मीडिया के सहारे इन युवाओं को टारगेट करना शुरू किया।झूठ, फंड, हथियार रू ऑनलाइन चलाए जा रहे दुष्प्रचार में बड़े पैमाने पर झूठ का सहारा तो लिया ही जा रहा है, भारत विरोधी तत्वों की सहायता से फंड और हथियारों की सतत आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है। इसी का परिणाम है कि जहां एक तरफ, छोटे ही सही पर सिख डायस्पोरा के एक हिस्से में खालिस्तान समर्थक भावनाएं सिर उठाती दिख रही हैं, वहीं देश के अंदर भी अमृतपाल सिंह जैसे कट्टर और उग्र नेताओं का उभार देखा जा रहा है। जाहिर है, इस खतरे को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आसान नहीं घटती आबादी को बढ़ाना, भारत में जनसंख्या वृद्धि घटने के प्रति सचेत होना होगा

हाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने परिवार के महत्व पर जोर देते हुए भारत में जनसंख्या वृद्धि घटने के प्रति सचेत किया। उन्होंने कहा कि अगर भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.1 प्रतिशत के नीचे चली गई तो किसी और को समाज को बर्बाद करने की जरूरत नहीं, वह अपने आप ही नष्ट हो जाएगा। इसलिए प्रत्येक दंपती को कम से कम तीन बच्चे पैदा करना जरूरी है। इसके पहले आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अपने राज्यों की घटती आबादी पर चिंता जता चुके हैं।इस समय भारत आबादी के मामले में दुनिया में पहले नंबर पर है। अर्से से यहां आबादी कम करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसे मध्य वर्ग ने काफी हद तक अपनाया भी। अब तो हमारे यहां डिंक यानी डबल इनकम ग्रुप के परिवारों में एक बच्चे का चलन चल पड़ा है। इसके अलावा कुछ युवा ऐसे भी हैं, जो बच्चे चाहते ही नहीं, क्योंकि वे बच्चे पालने को एक मुसीबत और बड़ी जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। उनका कहना है कि वे जिंदगी का आनंद लेना चाहते हैं और बच्चे इसमें रुकावट हैं।कम होती आबादी दुनिया के कई देशों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। हो सकता है कि भागवत जी ने जापान, दक्षिण कोरिया आदि देशों की आबादी संबंधी चिंताओं को देखते हुए अपना बयान दिया हो। दक्षिण कोरिया में इस सदी के अंत तक जनसंख्या पांच करोड़ बीस लाख से घटकर एक करोड़ सात लाख रहने का अंदेशा जताया जा रहा है। यह स्थिति न आए, इसके लिए दक्षिण कोरिया सरकार अपने लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए तरह–तरह के प्रलोभन–प्रोत्साहन दे रही है।वहां पुरुषों के लिए सैन्य प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है, लेकिन तीन या उनसे अधिक बच्चे वालों को इससे छूट दी जा रही है। महिलाओं के लिए भी तरह–तरह की घोषणाएं की जा रही हैं, मगर वे इस बारे में सुनने को तैयार नहीं। दक्षिण कोरिया पहला ऐसा देश है जहां 2018 में महिलाओं ने 4बी नामक एक आंदोलन शुरू किया था। इसे शुरू करने वाली स्त्रियों का कहना था कि वे पुरुषों से किसी तरह का संबंध नहीं रखना चाहतीं।उनके साथ न तो डेटिंग पर जाना चाहती हैं, न लिव–इन में रहना चाहती हैं, न शादी करना चाहती हैं और न ही बच्चे पैदा करना चाहती हैं। अब तो अमेरिका में भी यह आंदोलन जा पहुंचा है। चीन और जापान की सरकारें भी अपने यहां बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती प्रजनन दर को लेकर परेशान हैं। चीन में तो कुछ दिनों पहले घोषणा की गई थी कि डेटिंग पर जाने वाले लोगों को सरकार विशेष छुट्टियां देगी। चीन में किसी जमाने में एक बच्चा नीति थी, जिसे बहुत कठोरता से लागू किया गया।अब वही चीन सरकार चाहती है कि लोग तीन बच्चे पैदा करें। भारत में भी आपातकाल के दिनों में हम दो–हमारे दो का नारा चलाया गया, जो तब ज्यादा सफल नहीं हुआ, लेकिन बाद में मध्यवर्ग ने इसे अपना लिया। आज कोई भी देश अपनी छवि बुजुर्गों के आधार पर नहीं बनाना चाहता, क्योंकि उनकी नजर में बुजुर्गों का मतलब कमजोरी है। इसलिए उन्हें नई पीढ़ी चाहिए। भारत में भी बुजुर्गों की आबादी दस करोड़ से अधिक है। हमारे यहां एक नेता कह भी चुके हैं कि बुजुर्गों पर देश के बहुत संसाधन खर्च होते हैं।ऐसे में यदि नई पीढ़ी नहीं आई तो देश का भविष्य चौपट समझें। चिकित्सा विज्ञान की नई खोजों और दवाओं तथा उनकी उपलब्धता ने लोगों की उम्र लंबी की है। इसे अच्छी बात मानने के बजाय कोसना ठीक नहीं है। कोई सरकार चाहे तो बुजुर्गों को किसी रचनात्मक काम में लगा सकती है। उनके अनुभवों का लाभ उठा सकती है। कोई काम मिलने पर उन्हें न तो वक्त कटने की समस्या होगी, न अकेलापन महसूस होगा, कुछ आय भी होगी। करोड़ों लोग बुजुर्ग होने के कारण हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहें, जबकि वे काम करना चाहते हैं।दुनिया में आबादी कम होने का एक बड़ा कारण महिलाओं की बढ़ी हुई निर्णायक शक्ति है। आज स्त्री विमर्श ने महिलाओं को बताया है कि मां बनने से ज्यादा जरूरी है, आत्मनिर्भरता। यानी उनके हाथ में पैसे आएं और उनकी क्रय शक्ति बढ़े। अपने शरीर की मालकिन वे खुद बनें। वे चाहें तो परिवार बसाएं, मां बनें, न चाहें तो ऐसा न करें। इन दिनों बड़ी संख्या में महिलाएं आत्मनिर्भर हैं या उस ओर बढ़ रही हैं।

उनका कहना है कि वे अधिक बच्चों को कैसे पालेंगी? रात–दिन बढ़ती महंगाई के दौर में जरूरी संसाधन भी कैसे जुटाएंगी? इसी वजह से सरकारों की तरफ से दिया जाने वाला कोई भी लालीपाप उन्हें नहीं भा रहा। वे कह रही हैं कि उस सोच के दिन अब गए, जिसमें मां बनने को प्राथमिकता दी जाती थी और उसे वरदान के रूप में देखा जाता था। उनका मानना है कि वे पहले ही घर–आफिस के बीच सैंडविच बनी रहती हैं।क्या नेता उनके परिवार की देखभाल करेंगे और बच्चे पालेंगे? यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अब संयुक्त परिवार का जमाना भी नहीं रहा कि बच्चे आसानी से पल जाएं। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर कोई नेता तीन बच्चे पैदा करने के लिए स्त्रियों को कैसे तैयार करेगा? यदि वे तीन बच्चे पैदा करेंगी तो क्या आत्मनिर्भर बनी रहेंगी? जो भी हो, यह दिलचस्प है कि पहले जो लोग जनसंख्या नियंत्रण की बात सुनते ही लाल–पीले हो जाते थे और उसे सेक्युलरिज्म और मानव अधिक.ारों के खिलाफ बताते थे, धार्मिक मसलों से जोड़ते थे, वे अब इसके पक्ष में बोलने लगे हैं।

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –

अमित कुमार वर्मा –संम्पादक

मौः–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट

हिन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक–अमित कुमार वर्मा

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा